बद्री-केदार की तर्ज़ पर विकसित होगा बागनाथ

चर्चा में क्यों?

25 जून, 2022 को उत्तराखंड पर्यटन सचिव दिलीप जावलकर ने बताया कि केंद्र सरकार की प्रसाद योजना के तहत बागेश्वर में बागनाथ मंदिर का विकास बद्रीनाथ और केदारनाथ की तर्ज़ पर किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- योजना के तहत मंदिर परिसर की सभी दुकानों को पारंपरिक पर्वतीय शैली में एक समान तरीके से विकसित किया जाएगा।
- सरयू नदी के तट पर घाटों का निर्माण होगा, जबकि मंदिर परिसर में लाइट एंड साउंड शो और संग्रहालय के निर्माण की भी सुविधा होगी।
- मंदिर के चारों ओर एक अग्रभित्ति और भित्ति चित्रों का उपयोग मंदिर को एक नया रूप देने के लिये किया जाएगा।
- चंडिका मंदिर से नीलेश्वर मंदिर तक रोपवे का निर्माण, पुलों का सौंदर्यीकरण व प्रसाद के लिये स्मारिका दुकान की भी सुविधा होगी।
- गौरतलब है कि पर्यटन मंत्रालय द्वारा वर्ष 2014-15 में चिह्नित तीर्थस्थलों के समग्र विकास के उद्देश्य से 'तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक संवर्द्धन पर राष्ट्रीय मिशन' शुरू किया गया था, जिसका नाम बदलकर अक्टूबर 2017 में 'तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक विरासत संवर्द्धन अभियान' (यानी 'प्रसाद') राष्ट्रीय मिशन कर दिया गया।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/bagnath-to-be-developed-on-the-lines-of-badri-kedar